राज रस बरस रहयो,आज मोरे आंगन में
प्रेम रस छलक रहयो, आज मोरे आंगन में

1- परदे हटे माया के मन से,
रूहें मिलीं अपने प्रीतम से
अंग अंग हर्ष रहयो,आज मोरे...

2- सतगुरू बन मेरे प्रीतम आए,
कहाँ बिठाऊँ मेरे साहेब आए
अर्श कर बैठ गयो,आज मोरे....

3- धरती नाचे अम्बर नाचे,
मैं नाचूं मेरा प्रीतम नाचे
अंग अंग नाच रहयो,आज मोरे....

Nijanand App